>

Title: Need to include Balia and Deoria district in Uttar Pradesh under BRGF Scheme.

श्री रमाशंर राजभर (सलेमपुर): सभापति महोदय, उत्तर प्रदेश और बिहार के बॉर्डर पर जिला जनपद बलिया और देवरिया स्थित हैं। जब देश में जो तीन जनपद सबसे पहले आजाद हुए थे, उनमें से एक बलिया जनपद है। बलिया जनपद में मंगलपांडे जैसा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी था। घाघरा, राप्ती, छोटी गंडक और गंगा का दोआबा भी बलिया में है। इतिहास में ऐसा साक्ष्य कम ही मिलेगा कि रामचंद्र प्रजापति, जो कक्षा आठ का छात्र था, आजादी के आंदोलन में अंग्रेजी हुकूमत का झंडा मजिस्ट्रेट की कोर्ट से उतारते समय उसके सीने में सीधे गोली लगी थी। उसी देवरिया जनपद को काटकर कुशीनगर जनपद बना, जो बीआरजीएफ स्कीम में है। गोरखपुर कमिश्नरी बीआरजीएफ स्कीम में है, महाराजगंज भी बीआरजीएफ स्कीम में है। लेकिन स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के जनपद देवरिया और बलिया में शिक्षा का स्तर बहुत ही खराब है, सड़कों का स्तर बहुत खराब है, स्वास्थ्य संसाधनों का स्तर बहुत ही खराब है और दोआबा के नाते प्रति वर्ष बाढ़ के समय में हजारों लोग नदी के कटान से खेती और घरों से बेघर होते हैं। जब गर्मी के महीने में झोंपड़ियों में आग लगती है तो वहां हजारों लोगों के घर जलते हैं, परंतु उनका नाम बीपीएल सूची में नहीं है, इसलिए उनके आवास नहीं बन सकते हैं।

महोदय, केवल इतनी ही बात नहीं है, देवरिया जनपद में 27 नक्सलाइट गांव हैं, ठीक उसी तरह से जनपद बलिया में 52 नक्सलाइट गांव हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि आप बीआरजीएफ स्कीम में जितने भी जनपदों को लायें हैं, अगर देवरिया और बलिया जनपद उन मानकों को पूरा नहीं करते तो मैं मांग नहीं करता। लेकिन सभापति जी आप तो गणित के विद्वान हैं, यदि आपके लिए यह कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। अब आप ही गणित लगाइये कि इस सरकार को इन दोनों जनपदों को बीआरजीएफ स्कीम में लेना चाहिए कि नहीं लेना चाहिए। यही मेरी सरकार से मांग है। धन्यवाद।